

एसओएस परीक्षा में नकलचियों पर बोर्ड का शिकंजा, अब तक 27 धरे सीसीटीवी और फ्लाइंग स्क्वायड की पैनी नजर से नहीं बच पा रहे परीक्षार्थी

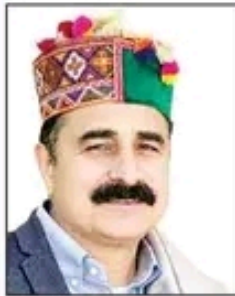
अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जा रही राज्य मुक्त विद्यालय 2026 की परीक्षाओं में नकलचियों की अब खैर नहीं है। शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और 'नकल माफिया' पर लगाम लगाने के लिए कड़ा शिकंजा कस दिया है। हाई-टेक सीसीटीवी कैमरों और फ्लाइंग स्क्वायड की कड़ी निगरानी के चलते प्रदेश भर में अब तक अनुचित साधनों के इस्तेमाल के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 मामले अकेले चंबा जिले में दर्ज किए गए हैं, जिसने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर बोर्ड को और भी सतर्क कर दिया है।

बोर्ड द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष नकल पर

मेहनत पर करें, शॉर्टकट पड़ेगा भारी: राजेश

नकल के बढ़ते मामलों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और परीक्षा की गरिमा के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अनुचित साधनों का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए परीक्षार्थियों के खिलाफ बोर्ड के कड़े नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही डॉ. राजेश शर्मा ने सभी परीक्षार्थियों से एक खास अपील भी की है। उन्होंने कहा कि छात्र सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। ईमानदारी, अनुशासन और अपनी मेहनत के बल पर परीक्षा दें और किसी भी प्रकार के अनुचित साधन का सहारा न लें। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोर्ड हर हाल में एक निष्पक्ष परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।



'थर्ड आई' सर्विलांस और औचक निरीक्षण का खौफ

परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने के लिए इस बार तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से 'थर्ड आई' सर्विलांस किया जा रहा है। इसके साथ ही, फ्लाइंग स्क्वायड की टीमों लगातार औचक निरीक्षण कर रही हैं, जिससे परीक्षा हॉल में किसी भी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश को खत्म किया जा सके।

नकल कसने के लिए चलाए गए अभियान के सटीक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेशभर में पकड़े गए कुल 27 मामलों में से चंबा जिले के परीक्षा केंद्रों

में सर्वाधिक 11 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके अलावा, कांगड़ा जिले में 5, सिरमौर में 4, मंडी में 3, ऊना में 2, कुल्लू और

शिमला में एक-एक मामला सामने आया है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बोर्ड की निगरानी टीमों हर जिले में पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं।

नकलचियों पर शिकंजा, ओपन स्कूल परीक्षा में 27 नकल करते पकड़े

थर्ड आई सर्विलांस और फ्लाइंग स्ववायड के कड़े पहरे में परीक्षा

धर्मशाला, 2 अक्टूबर (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य मुक्त विद्यालय की परीक्षाओं में नकलचियों पर बोर्ड ने शिकंजा कसते हुए 27 नकलचियों को रंगे हाथों दबोच लिया है। परीक्षाओं की शुचिता, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस बार बोर्ड प्रशासन पूरी तरह से सख्त नजर आ रहा है।

प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर स्थापित हार्डटैक सी.सी.टी.वी. कैमरों की थर्ड आई सर्विलांस और फ्लाइंग स्ववायड टीमों के औचक निरीक्षण

के चलते नकल माफिया के मंसूबों पर पानी फेर दिया गया है।

इन सभी मामलों में अकेले चम्बा जिले

से सबसे अधिक 11 परीक्षार्थी नकल करते हुए धरे गए हैं, जिसने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सतर्क कर दिया है।

बोर्ड द्वारा जारी किए गए ताजा आकड़ों के अनुसार, प्रदेश भर में पकड़े गए इन 27 मामलों में विभिन्न जिलों की स्थिति अलग-अलग रही है। चम्बा के बाद कांगड़ा जिले में 5 और सिरमौर जिले में 4 नकलची पकड़े गए हैं, जबकि मंडी में 3 और ऊना में 2 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा, कुल्लू और शिमला



जिलों से भी एक-एक मामला दर्ज किया गया है।

नकल के बढ़ते मामलों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.

राजेश शर्मा ने कहा कि परीक्षा की गरिमा के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने परीक्षार्थियों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे सफलता के लिए शॉर्टकट या अनुचित साधनों का सहारा लेने की बजाय अपनी मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन के बल पर परीक्षा दें, ताकि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता हमेशा बरकरार रहे।

एसओएस परीक्षा : नकलचियों पर बोर्ड का शिकंजा, 27 पकड़े

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की गई एसओएस परीक्षाओं में अब तक 27 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया है। इसमें सबसे ज्यादा मामले जिला चंबा से सामने आए हैं। बोर्ड ने यह कार्रवाई सीसीटीवी और फ्लाईंग स्क्वाड की टीमों के औचक निरीक्षण के बाद की है।

इसके अलावा कांगड़ा में पांच, सिरमौर में चार, मंडी में तीन, ऊना में दो और कुल्लू व शिमला में एक-एक परीक्षार्थी को नकल करते हुए पाया गया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर इस बार निगरानी का दायरा बढ़ाया गया है। संवेदनशील केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों से लगातार नजर रखी जा रही है, जबकि फ्लाईंग स्क्वाड की टीमें अचानक निरीक्षण कर रही हैं। बोर्ड

चंबा में सबसे ज्यादा ग्यारह मामले, उड़नदस्तों ने कार्रवाई की, सीसीटीवी से भी पकड़े



की इस सख्ती से परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वालों पर शिकंजा कसता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और गरिमा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा। अनुचित साधनों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील की कि वे नकल या किसी अन्य शार्टकट के बजाय अपनी मेहनत पर भरोसा रखें।

एसओएस परीक्षा में नकल करते दबोचे 27 विद्यार्थी

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 2 अक्टूबर: हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जा रही राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) 2026 की परीक्षाओं में नकलचियों की अब खैर नहीं है। शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और नकल पर लगाम लगाने के लिए शिकंजा कस दिया है। हाई-टेक सीसीटीवी कैमरों और फ्लाइंग स्क्वायड की कड़ी निगरानी के चलते प्रदेश भर में अब तक अनुचित साधनों के इस्तेमाल (यूएमसी) के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 मामले अकेले चंबा जिले में दर्ज किए गए हैं। बोर्ड द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष नकल पर नकेल कसने के लिए चलाए गए अभियान के सटीक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश भर में पकड़े गए 27 मामलों में से चंबा जिले के परीक्षा केंद्रों में सर्वाधिक 11

चंबा में सबसे ज्यादा 11

यूएमसी मामले, कांगड़ा में पांच परीक्षार्थी पकड़े

सीसीटीवी और फ्लाइंग

स्क्वायड की कड़ी निगरानी

परीक्षार्थियों को नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके अलावा, कांगड़ा जिले में 5, सिरमौर में 4, मंडी में 3, ऊना में 2 तथा कुल्लू और शिमला में एक-एक मामला सामने आया है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बोर्ड की निगरानी टीमों हर जिले में पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं। परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने के लिए इस बार तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है।



नकलचियों पर शिक्षा बोर्ड का शिकंजा, अब तक 27 मामले पकड़े

जागरण संवाददाता, धर्मशाला :
हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा
बोर्ड की ओर से आयोजित
राज्य मुक्त विद्यालय-2026
(एचपीएसओएस) की परीक्षाओं
में नकल रोकने के लिए सख्ती
बरती जा रही है। उच्च तकनीक
वाले सीसीटीवी कैमरों और
उड़नदस्तों की निगरानी में अब
तक प्रदेशभर में अनुचित
साधनों के इस्तेमाल (यूएमसी)
के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं।
इनमें सबसे अधिक 11 मामले
चंबा जिले में सामने आए हैं।

कांगड़ा में पांच, सिरमौर में
चार, मंडी में तीन, ऊना में दो
तथा कुल्लू व शिमला में एक-
एक मामला सामने आया है।
बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने
कहा कि परीक्षाओं की निष्पक्षता,
पारदर्शिता और विश्वसनीयता
बनाए रखना बोर्ड की सर्वोच्च
प्राथमिकता है। संवेदनशील
परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों



के माध्यम से निगरानी की जा
रही है। उड़नदस्तों की टीमों भी
लगातार निरीक्षण कर रही हैं।

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि
शिक्षा और परीक्षा की गरिमा से
किसी भी स्तर पर समझौता
नहीं किया जाएगा। अनुचित
साधनों का इस्तेमाल करते हुए
पकड़े गए परीक्षार्थियों के
खिलाफ बोर्ड के नियमों के
तहत कार्रवाई की जा रही है।
उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील
की कि वे सफलता के लिए
शार्टकट का सहारा न लें और
ईमानदारी, अनुशासन व मेहनत
के बल पर परीक्षा दें।

नकल करते पकड़े

27 छात्र

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जा रही राज्य मुक्त विद्यालय एसओएस 2026 की परीक्षाओं में नकलचियों की अब खैर नहीं है। हाई-टेक सीसीटीवी कैमरों और फ्लाइंग स्क्रायड की कड़ी निगरानी के चलते प्रदेश भर में अब तक अनुचित साधनों के इस्तेमाल के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 मामले अकेले चंबा जिला में दर्ज किए गए हैं, जिसने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर बोर्ड को और भी सतर्क कर दिया है। इसके अलावा, कांगड़ा जिले में पांच, सिरमौर में चार, मंडी में तीन, ऊना में दो तथा कुल्लू और शिमला में एक-एक मामला सामने आया है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बोर्ड की निगरानी टीमों हर जिले में पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं।

Himachal Dastak

Dt.03-10-2026

एसओएस परीक्षा में नकल पर बोर्ड का शिकंजा, अब तक 27 परीक्षार्थी पकड़े

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य नुवत विद्यालय (एसओएस) 2026 की परीक्षाओं में नकल करने वाले परीक्षार्थियों पर बोर्ड ने शिकंजा कस दिया है। परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए बोर्ड की ओर से सीसीटीवी कैमरों और उड़नदस्तों के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेशभर में अब तक अनुचित साधनों के इस्तेमाल के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 11 मामले अकेले चंबा जिले में सामने आए हैं। बोर्ड की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार चंबा जिले के परीक्षा केंद्रों में 11 परीक्षार्थी अनुचित साधनों का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए हैं। वहीं कांगड़ा में 5, सिरमौर में 4, मंडी में 3, ऊना में 2 तथा कुल्लू और शिमला में 1-1 मामला सामने आया है।

नकलचियों पर बोर्ड का शिकंजा, अब तक 27 धरे सीसीटीवी और फ्लाइंग स्क्रायड की पैनी नजर से नहीं बच पा रहे परीक्षार्थी

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जा रही राज्य मुक्त विद्यालय 2026 की परीक्षाओं में नकलचियों की अब खैर नहीं है। शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और नकल माफिया पर लगाम लगाने के लिए

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की दो-टूक, परीक्षा की गरिमा से कोई समझौता नहीं

कड़ा शिकंजा कस दिया है। हार्ड-टेक सीसीटीवी कैमरों और फ्लाइंग स्क्रायड की कड़ी निगरानी के चलते प्रदेश भर में अब तक अनुचित साधनों के इस्तेमाल के 27 मामले पकड़े जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 मामले अकेले चंबा जिले में दर्ज किए गए हैं, जिसने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर बोर्ड को और भी

सतर्क कर दिया है। बोर्ड द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष नकल पर नकल कसने के लिए चलाए गए अभियान के सटीक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश भर में पकड़े गए कुल 27 मामलों में से चंबा जिले के परीक्षा केंद्रों में सर्वाधिक 11 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके अलावा, कांगड़ा जिले में 5, सिरमौर में 4, मंडी में 3, ऊना में 2 तथा कुल्लू और शिमला में एक-एक मामला सामने आया है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बोर्ड की निगरानी टीमों हर जिले में पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं। परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने के लिए इस बार तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने



बताया कि परीक्षाओं की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर

सीसीटीवी कैमरों की मदद से थर्ड आई सर्विलांस किया जा रहा है। इसके साथ ही, फ्लाइंग स्क्रायड की टीमों लगातार औचक निरीक्षण कर रही हैं, जिससे परीक्षा हॉल में किसी भी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश को खत्म किया जा सके। नकल के बढ़ते मामलों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और परीक्षा की गरिमा के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अनुचित साधनों का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए परीक्षार्थियों के खिलाफ बोर्ड के

कड़े नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही, डॉ. शर्मा ने सभी परीक्षार्थियों से एक खास अपील भी की है। उन्होंने कहा कि छात्र सफलता के लिए शॉर्टकट न अपनाएं। ईमानदारी, अनुशासन और अपनी मेहनत के बल पर

परीक्षा दें और किसी भी प्रकार के अनुचित साधन का सहारा न लें। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोर्ड हर हाल में एक निष्पक्ष परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यू नालागढ़ क्षेत्र से युवक का शव बरामद

नालागढ़, (आपका फैसला)। पुलिस थाना नालागढ़ के तहत न्यू नालागढ़ क्षेत्र में झाड़ियों से एक युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस द्वारा मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव करीब 2-3 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। शव के पास से एक सिरिंज भी बरामद हुई है। मृतक की पहचान उसके ताया द्वारा कर ली गई है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अमल में लाई गई। मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसपी बही विनोद धीमान ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा मृत्यु से संबंधित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है।

The Sunny Times

CRACKDOWN ON CHEATING NABS 27 STUDENTS IN HIMACHAL BOARD EXAMS

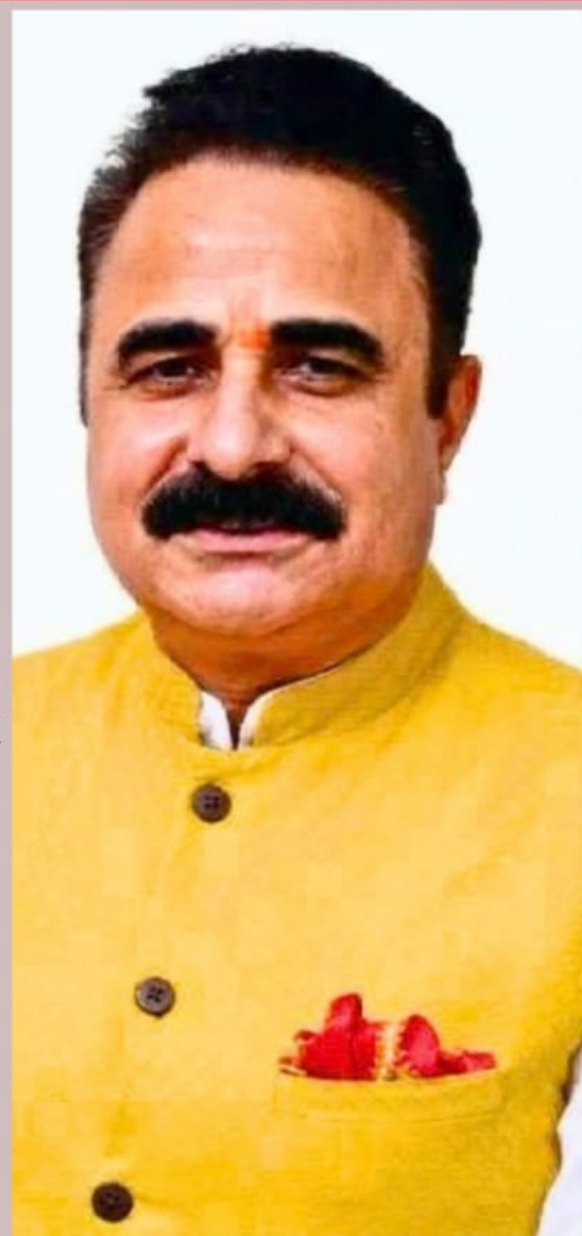
The Sunny Times | Dharamshala |

The Himachal Pradesh Board of School Education has intensified its vigil against unfair means in the ongoing Himachal Pradesh State Open School (HPSOS) 2026 examinations, booking 27 candidates across the state for cheating. High-tech surveillance and surprise checks have significantly reduced room for malpractice, with officials maintaining zero tolerance toward attempts to undermine the examination's integrity.

Chamba district emerged as the primary hotspot of illicit activity, accounting for 11 of the reported cases. Enforcement teams also uncovered cheating in several other regions, identifying five cases in Kangra, four in Sirmour, three in Mandi, two in Una, and one case each in Kullu and Shimla, showing widespread monitoring across the state.

Authorities attribute these detections to a coordinated surveillance strategy combining round-the-clock CCTV cameras with mobile flying squads conducting unexpected hall inspections. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma affirmed that protecting academic merit and examination transparency remains the board's highest priority, noting that strict penalties under existing regulations await every offender caught using unfair means.

Dr. Sharma urged candidates to place faith in honest preparation rather than seeking risky shortcuts, emphasizing that true academic progress depends entirely on disciplined hard work. He reiterated the board's resolve to safeguard the credibility of the state's education system and maintain an equitable testing ground for all diligent students.



Himachal SOS Exams: Board cracks down on cheaters; 27 caught so far. "No compromise on the sanctity of the examination": Dr. Rajesh Sharma



SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA OCT 2 : Cheaters have no escape in the Himachal Pradesh State Open School (HPSOS) examinations currently being conducted by the Himachal Pradesh Board of School Education. The Board has tightened its grip to ensure transparency and curb the 'cheating mafia'. Thanks to strict monitoring via high-tech CCTV cameras and flying squads, 27 cases of the use of unfair means (UMC) have been detected across the state so far. Chamba district alone accounts for the highest number of cases (11), prompting the Board to exercise greater vigilance regarding security arrangements at exam centers. Highest cases in Chamba; action taken in other districts too. According to the latest data released by the Board, the campaign launched this year to curb cheating is yielding concrete

results. Out of the 27 cases detected statewide, the highest number 11 candidates—were caught red-handed cheating at exam centers in Chamba district. Additionally, 5 cases were reported in Kangra, 4 in Sirmaur, 3 in Mandi, 2 in Una, and one each in Kullu and Shimla. These figures demonstrate that the Board's monitoring teams are working with utmost diligence in every district. The deterrent effect of 'Third Eye' surveillance and surprise inspections. Technology is being extensively utilized this time to prevent cheating at exam centers. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, stated that maintaining the fairness, transparency, and credibility of the examinations is the Board's top priority. 'Third Eye' surveillance using CCTV cameras is being implemented at all sensitive examination centers. Additionally, flying squad teams are conducting continuous surprise inspections to eliminate any possibility of irregularities within the examination halls. Rely on hard work; shortcuts will prove costly. Taking a serious view of the rising instances of cheating, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma has issued a stern warning. He stated that there would be no compromise—at any level—regarding the sanctity of education and the examination process. Action is being taken under the Board's strict regulations against examinees caught using unfair means. Furthermore, Dr. Sharma has made a special appeal to all examinees. He said, "Students should not resort to shortcuts for success. Take the exam based on honesty, discipline, and hard work, and do not rely on any form of unfair means." He assured that the Board is committed to ensuring a fair examination environment and upholding the credibility of the examination system under all circumstances.